श्री उमिया माताजी की आरती

१. जय उमिया माता, मैया जय उमिया माता,
आरती प्रेम से उतारुँ, आनंद उमंग से !.... ॐ जय उमिया माता ।

२. जगजननी तू उमिया, गीता गायत्री.... (२) माँ.....
तू अम्बा और बहुचर, तू है सावित्री.... ॐ जय उमिया माता ।

३. भक्ति करते तेरी, आनंद मंगल हो.... (२) माँ.....
जो भी आए शरण में तेरी, पावन सब हो जाय.... ॐ जय उमिया माता ।

४. महासुद पंचमी को प्रकट हुई उमिया माँ.... (२) माँ.....
दुःख भक्तों के हरने हेतु, प्रकट हुई तू माँ.... ॐ जय उमिया माता ।

५. हे जगजननी देवी, तू सब की तारणहार.... (२) माँ.....
नारायणी - नवदुर्गा, तू कल्याणी माँ..... ॐ जय उमिया माता ।

६. तू रम्य - भव्य और दिव्य स्वरुपा माँ.... (२) माँ.....
सत्य - शिव और सुन्दर, तू अन्नपूर्णा माँ.... ॐ जय उमिया माता ।

७. शैलसुता हे पार्वती, तू पृथ्वी पावनी माँ.... (२) माँ.....
सकल सृष्टि भवानी, वरदायिनी माँ..... ॐ जय उमिया माता ।

८. नवखण्ड धरती में, तेरे चरणों की पूजा हो.... (२) माँ.....
सब संताने तेरी, धरतीपुत्र हम तेरे वंदना बारंबार.... ॐ जय उमिया माता ।

९. विश्व उमियाधाम में आरती तेरी हो.... (२) माँ.....
खम्मा खम्मा कहते तूझे, आनंद मंगल हो..... ॐ जय उमिया माता ।

१०. उमिया माँ की आरती, जो कोई गाए, माँ भाव से जो गाए.....
सुख, शांति और संपत्ति.... (२) घर उसके आए,
हर कैलाश को जाए, माँ अम्बा दुःख हरती,
माँ उमिया दुःख हरती.... ॐ जय उमिया माता ।